PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Deccan Herald, Bangalore
Thursday, 3rd March 2011, Page: 6
Width: 20.53 cms Height: 21.89 cms, Ref: pmin.2011-03-04.14.12

# This anganwadi is a role model in child care

## Facilities created with help from donors and organisations

Naina J A

**MANGALORE: Conditions in most of the anganwadis in the country often range from dilapidated to deplorable. Many anganwadis often consist of an ukempt room which has little or no ventilation and light and sanitation.**

CREATIVE: A view of the child-friendly toilet at an anganwadi centre at Ammunje in Bantwal taluk. (Right) The toys which have been arranged neatly at the centre. DH PHOTOS

However, an anganwadi centre at Barinje in Ammunje village of Kariangala Gram Panchayat in Bantwal taluk stands apart. It has been adjudged the 'Best Anganwadi centre' in terms of cleanliness in the district.

The anganwadi has a water purifier for drinking water, an aquarium and a child-friendly toilet. With the help of the donors from the village, the anganwadi centre has been converted into a model anganwadi with several child-friendly facilities.

The anganwadi centre has given priority to cleanliness. Even the tiny tots in this centre are taught cleanliness. When asked to say few sentences on cleanliness, all the children said "shauchalaya kattisi, khayile attisi' (construct toilet and ward off diseases), 'Kattisi kattisi shauchalaya kattisi,' (construct toilets).

The walls of the toilet are adorned with Mickey Mouse, Donald Duck and other cartoon characters. The anganwadi helper cleans and maintains the toilet. "There is a wash basin outside the toilet where soap is kept, so that the children cultivate the habit of washing hands with soap after attending to nature's call," Bala Vikasa Samithi President Aboobakkar told *Deccan Herald*.

There is a wash basin inside the classroom and the children are taught to wash their hands with liquid soap before eating anything. A handkerchief is kept near the wash basin, so that the children can make use of it.

The walls of the anganwadi classroom are adorned with portraits of national leaders like Mahatma Gandhi, Jawaharlal Nehru, Bhagat Singh, Subhash Chandra Bose, Radhakrishnan, Lal Bahadur Shastri and Dr A P J Abdul Kalam. The tiny tots easily recognise each national leader. There are charts about fruits, vegetables, butterflies, animals, domestic animals, Kannada alphabets, musical instruments and so on. At the same time, to give a glimpse of the village and the anganwadi centre, the map of the village also adorns the wall along with the maps of Bantwal taluk, Dakshina Kannada district, Karnataka, India and the world.

### Donors

"All the facilities at the anganwadi were created with the help of donors and various organisations in the village. Anganwadi worker Sujatha and helper Mohini helped rope in the organisations. There are 23 children in the anganwadi," he added.

"I developed the anganwadi centre with the support of donors from the village. The main objective of creating the anganwadi was to cater to the needs of the development of children in the age group of 3-6 years. Pre-school education aims at ensuring holistic development of the children and to provide learning environment to children, which is conducive for social, emotional, cognitive and aesthetic development of the children. Instead of making the children sit in dark rooms, we have to provide conducive atmosphere for the development of the children. So, through the help of donors, I started creating facilities in the anganwadi centre."

The children of this centre have a variety of toys to play with and they have been purchased with the money donated by the villagers, he added.

Even the kitchen of the anganwadi has been provided with racks, so that utensils, plates and glasses can be arranged neatly.

The walls of the anganwadi centre also provide details on *prasuthi araike* programme, *janani suraksha*, vaccination for children and pregnant women and other welfare programmes of the government for the benefit of pregnant woman and children.

### Fruit bearing plants

When the anganwadi was started in the early 90s, the department of Women and Child Welfare had given one table and a chair in the building. There are fruit bearing plants like banana, cherry and gooseberry in the compound of the anganwadi.

On the future plans, Aboobakkar says "I want to develop a playground for the anganwadi children with a kinder garten where children will be provided with see-saw, swing and merry-go-round to play.

**DH News Service**

Press Information Bureau
पत्र सूचना कार्यालय
Government Of India
भारत सरकार

डक्कन हेराल्ड, बंगलौर
गुरुवार, 03 मार्च, 2011, पृ: 6
चौड़ाई ; 20.53 सेमी ; उंचाई : 21.89 सेमी;

# यह आंगनवाड़ी केंद्र बाल देखरेख के क्षेत्र में एक प्रतिमान है

## दानदाताओं और संगठनों की सहायता से सुविधाओं का सृजन

नैना जे ए

**मंगलौर : देश में स्थित अधिकतम आंगनवाड़ियां जीर्ण-शीर्ण दशा में हैं, जो कि शोचनीय है । बहुसंख्यक आंगनवाड़ियों के कमरे अत्यंत गंदे होते हैं । इनमें हवा, प्रकाश तथा साफ-सफाई की व्यवस्था नाममात्र की होती है अथवा होती ही नहीं ।**

लेकिन, बंटवाल तालुक के अंतर्गत करियांग्ला ग्राम पंचायत के ग्राम-अमुंजे, जिला-बरिंजे में एक आंगनवाड़ी केंद्र अपने आप में एक मिसाल है । उक्त जिले में स्थित इस आंगनवाड़ी को सफाई की दृष्टि से 'सर्वश्रेष्ठ आंगनवाड़ी केन्द्र' के रूप में स्वीकारा गया है ।

यहां पर पीने के लिए स्वच्छ जल हेतु जल-शोधक उपकरण, एक मछली घर (एक्वेरियम) तथा एक बालोनुकूल शौचालय की व्यवस्था है । गांव वालों की सहायता से यह आंगनवाड़ी केन्द्र एक आदर्श आंगनवाड़ी का रूप ले चुका है, जहां अनेकों बालोनुकूल सुविधाएं उपलब्ध हैं ।

यहां सफाई को वरीयता दी जाती है । इस केन्द्र में नन्हें-नन्हें बच्चों को साफ-सफाई सिखाई जाती है । जब इन बच्चों से सफाई के बारे में कुछ बोलने को कहा गया तो सभी बच्चों ने कहा, "शौचालय बनवाओ, बीमारी भगाओं, शौचालय बनवाओ ।"

शौचालय की दीवारें मिकी माउस, डोनाल्ड डक तथा अन्य कार्टूनों से सज्जित हैं । आंगनवाड़ी सहायिका शैचालय की सफाई तथा देखभाल करती है । बाल विकास समिति के अध्यक्ष, अबूबक्कर ने डक्कन हेराल्ड को बताया कि शौचालय के बाहर वाश बेसिन बनाया गया है, जहां साबुन रखा जाता है, ताकि बच्चों में शौचालय के उपयोग के पश्चात हाथ धोने की आदत विकसित हो सके ।

कक्षा के अन्दर एक वाश बेसिन है तथा वहां लिक्विड सोप उपलब्ध है । बच्चों को सिखाया जाता है कि वे कुछ भी खाने से पहल लिक्विड सोप से अपने हाथ धोएं । वाश बेसिन के पास एक छोटी रूमाल रखी होती है, जिससे कि बच्चे इसका भी प्रयोग करना सीखें ।

इस आंगनवाड़ी केन्द्र के कमरों की दीवारों पर महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस, डा. राधाकृष्णन, श्री लाल बहादुर शास्त्री और डा.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे राष्ट्रीय नेताओं के फोटों लगे हैं । नन्हें-नन्हें शिशु प्रत्येक राष्ट्रीय नेता को आसानी से पहचान लेते हैं । यहां फलों, सब्जियों, तितलियों, जानवरों, घरेलू जानवरों, कन्नड वर्णमाला, वाद्य यंत्रों के चार्टों सहित अन्य चार्ट लगाए गए हैं । इसके साथ ही गांव तथा आंगनवाड़ी की झलक दिखाने के लिए गांव का और बंटवाल तालुक, दक्षिण कन्नड़ जिला, कर्नाटक, भारत एवं विश्व के मानचित्र भी दीवारों पर सजाए गए हैं ।

**दानदाता**

"इस आंगनवाड़ी केंद्र की सभी सुविधाएं गांव के दानदाताओं तथा विभिन्न संगठनों की मदद से जुटाई गई हैं । आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री सुजाता तथा सहायिका मोहिनी ने संगठनों से मदद प्राप्त करने की बागडोर संभाली ।" उन्होंने आगे बताया कि इस आंगनवाड़ी केन्द्र में 23 बच्चे हैं ।

"मैंने इस आंगनवाड़ी केंद्र का विकास गांव के दान दाताओं की सहायता से किया है । इस आंगनवाड़ी केंद्र के निर्माण का मुख्य उद्देश्य 3-6 वर्ष तक की आयु के बच्चों के विकास की जरुरतों को पूरा करना है । स्कूल पूर्व शिक्षा का उद्देश्य बच्चों का समग्र विकास करना तथा उन्हें अधिगम के अनुकूल वातावरण प्रदान करना है, जो बच्चों के सामाजिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक एवं सौन्दर्य विकास में सहायक होता है । बच्चों को बन्द कमरे में बैठाने की बजाए हम उनके विकास हेतु अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं । अतः दानदाताओं की सहायता से इस आंगनवाड़ी केन्द्र में सुविधाएं बढ़ाई हैं ।"

उन्होंने बताया कि बच्चों को खेलने के लिए यहां तरह-तरह के खिलौने उपलब्ध हैं, जिन्हें गांव के दान दाताओं के पैसे से खरीदा गया है ।

इस केन्द्र के रसोईघर में भी रैक बने हैं, ताकि बर्तनों, प्लेटों तथा गिलासों को सुव्यवस्थित रूप से रखा जा सके ।

आंगनवाड़ी की दीवारों पर प्रसूति अरैके कार्यक्रम, जननी सुरक्षा, बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं हेतु टीकाकरण तथा महिलाओं एवं बच्चों हेतु सरकार के अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में ब्यौरे दर्शाए गए हैं ।

**आंगनवाड़ी केंद्र में फलदार वृक्ष**

नब्बे के दशक की शुरुआत में जब यह आंगनवाड़ी शुरु की गई थी, तो महिला एवं बाल कल्याण विभाग की ओर से एक मेज तथा एक कुर्सी मिली थी । आंगनवाड़ी के परिसर में केला, चेरी, गूजबेरी जैसे फलों के वृक्ष हैं ।

भविष्य की योजनाओं के बारे में अबूबक्कर ने कहा, "मैं आंगनवाड़ी के बच्चें के लिए एक क्रीड़ा स्थल विकसित करना चाहते हैं, जहां बच्चों को खेलने के लिए किण्डर गार्डन हो तथा वहां सी-सॉ, स्विंग एवं मेरी-गो-राउण्ड की सुविधा उपलब्ध हो ।"

**डेक्कन हेराल्ड समाचार सेवा**